

मालवीय नगर ज़ोन में राम राज्य की शुरुआत!!!
मालवीय नगर ज़ोन को मुकेश मुंड के रूप में मिला
ईमानदार, कर्मठ और निष्ठावान उपायुक्त!!!
मालवीय नगर में अवैध बिल्डिंगे बनाने वाले
भूमाफियाओं और बिल्डरों में मची खलबली!!!
फूलमाला, मिठाई के डब्बे लेकर आने वाले
भूमाफियाओं, बिल्डरों को दिखाया बाहर का रास्ता!!!
नियमों से बनने वाली बिल्डिंगे ही कर सकेगी अपना सिर ऊंचा,
अवैध होंगी ज़मींदोज़!!!

भाग-1

मालवीय नगर ज़ोन को मुकेश मुंड के रूप में मिला ईमानदार, कर्मठ और निष्ठावान उपायुक्त!!!



लगता है मालवीय नगर ज़ोन में जल्दी ही राम राज्य आना वाला है क्योंकि अब नगर निगम जैसे भ्रष्ट विभाग में, जिसे लोग नरक निगम कहने से भी नहीं चूकते, में मुकेश मुंड जैसे ईमानदार, कर्मठ और निष्ठावान उपायुक्त की एंट्री जो हुई है।

पिछले कई सालों से इस ज़ोन में भ्रष्टाचार और मिलीभगत के चलते अवैध बिल्डिंगें बनाने वाले भूमाफियाओं और बिल्डरों की पौ बारह हुई पड़ी थी। जिसके चलते चाट वाले, सटोरिये, सब्जी वाले, फल वाले, खिलौने वाले तक अपना मूल धंधा छोड़कर बिल्डर बन गए थे। और कुछ ही दिनों में अवैध बिल्डिंगें बनाकर ऑडी, मर्सडीज़ जैसी महंगी गाड़ियाँ मेंटेन करने लग गए थे।

लेकिन अब नए साहब के आने से इन लोगों में खलबली मची हुई है और ऐसे लोग अब अपना मूल धंधा वापस करने की सोचने लगे हैं।

हुआ यूँ कि जैसे ही नए साहब ने मालवीय नगर में अपनी कुर्सी संभाली, उनके चेम्बर में ऐसे बिल्डरों और भूमाफियाओं की लाइन लग गयी। कोई फूलमाला लेकर आ रहा था और महंगी मिठाइयाँ और गिफ्ट पैक के डब्बे लेकर। लेकिन सूत्रों का कहना है कि बंद कमरे में साहब ने इन बिल्डरों और भूमाफियाओं के साथ कुछ कुछ वही बर्ताव किया जो कि जंजीर फिल्म में अमिताभ बच्चन अपने सह-कलाकार प्राण के साथ करते हैं।



पूरे जोश के साथ कमरे में घुसने वाले बिल्डर और भूमाफिया जब उनसे मुलाक़ात कर, कमरे से बाहर निकले तो उनकी सिट्टी-पिट्टी गुम हुई पड़ी थी। क्योंकि साहब ने इन बिल्डरों और भूमाफियाओं के साथ साथ अपने माताहतों को भी सख्त लहजे में निर्देश दे दिये कि उनके रहते ईमानदारी से और नियम से बिल्डिंगें बनाने वालों को एक पैसा रिश्वत का देने की जरूरत नहीं है और अवैध बनने वाली बिल्डिंगों को कतई बक्शा नहीं जाएगा और हर हालत में इन्हें ज़मींदोज़ किया जाएगा।

साहब से मिलकर निकलने वाले अब हर उस शक्स को रात में बुरे-बुरे सपने आ रहे हैं, जो अवैध बिल्डिंगें बनाकर, जल्दी से करोड़पति होने की सोच रहे थे। सबसे बुरा हाल तो उन लोगों का है, जो अपना मोटा पैसा लगाकर आधी से ज्यादा बिल्डिंग का काम पूरा कर चुके हैं, या उनकी अवैध बिल्डिंग की फिनिशिंग का काम चल रहा है। वहीं ईमानदारी से नक्शे पास करवाकर, नियमों से बिल्डिंगें बनाने वाले बिल्डरों में खुशी की लहर व्याप्त हो गयी है।

यह भी सुनने ले आया है कि राजनैतिक पहुँच लगाकर, इन साहब को दबाने/हटवाने की भी कोशिश की जा रही है। लेकिन साहब की ईमानदारी और कर्मठता के किस्से सुनकर, ईमानदार बिल्डरों के साथ साथ इन बिल्डरों और भूमाफियाओं के आतंक से त्रस्त स्थानीय जनता भी उनके समर्थन में आने लगी है और साहब का विरोध करने वालों को मुंह तोड़ जवाब भी दे रही है।

देखना यह है कि अब नए साहब की सोच कामयाब होती है या अवैध बिल्डिंगें बनाने वाले बिल्डरों के नापाक इरादे!!!!